16-31 मार्च, 2020 (द्वितीय)
वर्ष-51
2251
₹ 15.00
£ .99
$ 1.50
8 908008 495014
लोटपोट
CELEBRATING 1969 50 2019 YEARS ANNIVERSARY
हँसी और मस्ती की पाठशाला
अरे मोटू, तेज भाग कोरोना वायरस तेरे पीछे ही आ रहा है!
MAGAZINE KING

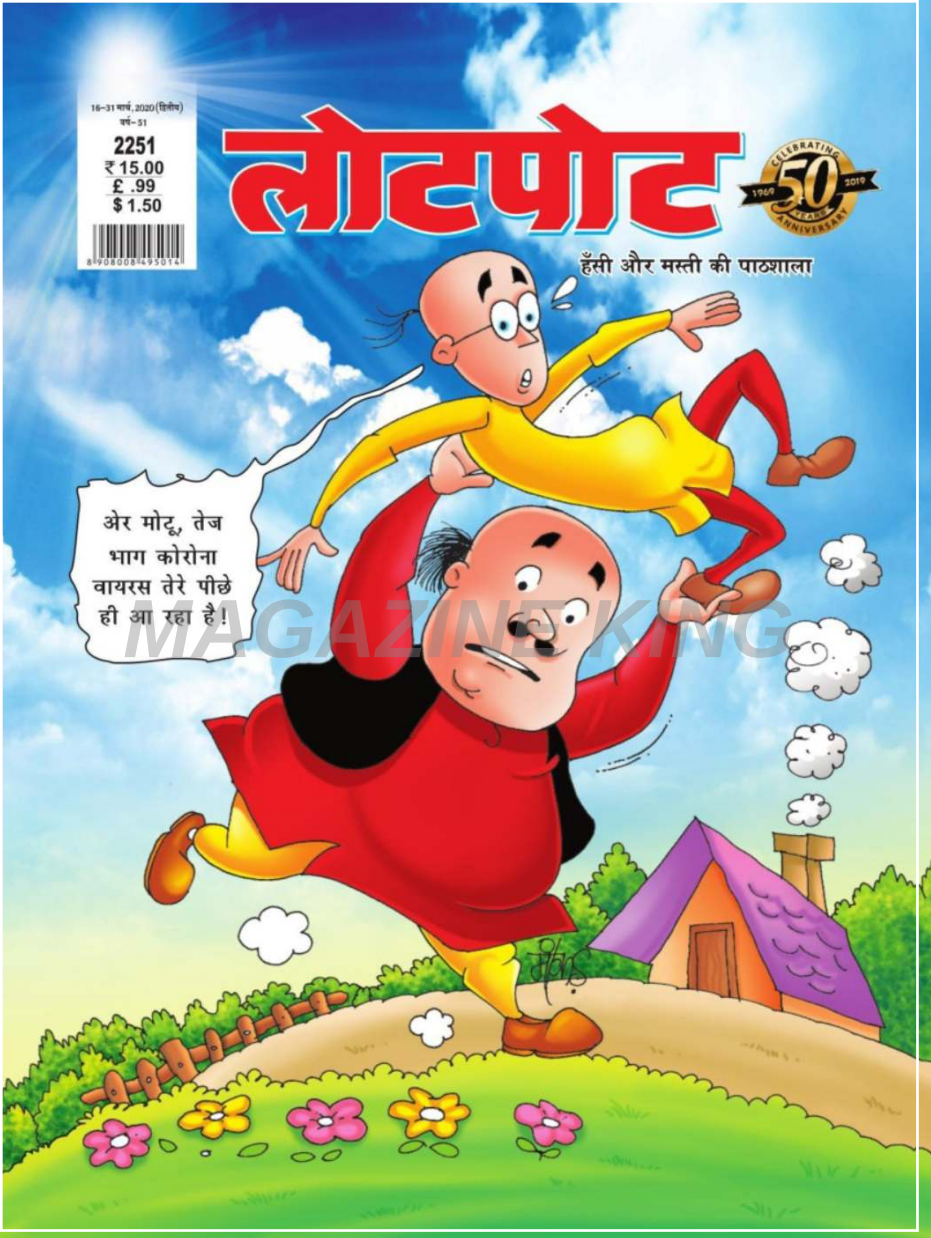

16–31 मार्च, 2020 (द्वितीय)

लोटपोट अंक नं. 2251

Visit : www.lotpotmagazine.com

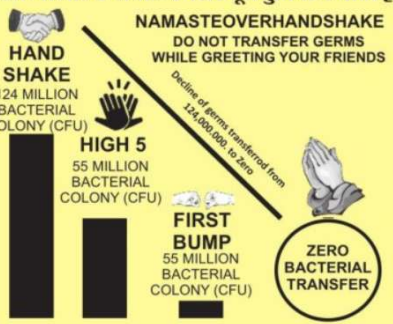

Founder
Lt. Sh. A.P. Bajaj

Chief Editor
P. K. Bajaj

Editor
Aman Bajaj

Joint-Editors
Anushka
Amisha

Editorial Department

Concept illusatration direction
Harvinder Mankkar

Health Contents
Dr. K. K. Aggarwal
Padamshri & Dr. B.C. Roy National Awards
President Heart Care Foundation of India
Blog: kkaggarwal.com

संपादकीय

अबसे भारतीय परंपरा नमस्ते पूरी दुनिया ने मानी है

कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति को सबसे पहले सांस लेने में दिक्कत, गले में दर्द, जुकाम, खांसी और बुखार होता है। फिर यह बुखार निमोनिया का रूप ले सकता है और निमोनिया किडनी से जुड़ी कई तरह की दिक्कतों को बढ़ा सकता है। इस वायरस की सबसे खास बात यह है कि यह किसी भी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलता है। कोरोना वायरस से बचाव को लेकर अभी तक कोई वैक्सीन नहीं बनी है।

इससे बचने के उपाय

कहीं भी बाहर से आने या कुछ भी खाने से पहले अपने हाथ अच्छी तरह साफ करें। जिन्हें सर्दी या फ्लू जैसे लक्षण हों तो उनके साथ करीबी संपर्क बनाने से बचें। सी फूड न खाएं। रात को सोते समय नाक, कान, गले और माथे पर विक्स लगाएं। चॉकलेट, आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक, कोल्ड कॉफी, फास्ट फूड, ठंडा दूध, बासी मीठा दूध, ये सब चीजें बंद कर दें। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर न जाएं, खासतौर पर ट्रेन या सार्वजनिक परिवहन में आवश्यकतानुसार मास्क पहनें। तला-भुना या मसालेदार भोजन से बचें और विटामिन सी का सेवन करें।

Editorial Address:
LOTPOT FORTNIGHTLY
A-5, Mayapuri, Phase-I,
New Delhi-110064.
Ph.: 28116120, 28117636
Fax.: 91-11-41833139
Email: edit@mayapurigroup.com
Web.: www.mayapurigroup.com

Printed at ARORBANS PRESS,
Shree S. L. Prakashan
A-5, Mayapuri, Phase-I, N.D.110064.
Owner, Publisher, Printer
Parmod Kumar Bajaj
Printing Place:
A-5, Mayapuri, Phase-I, New Delhi-110064.

For Advertising:
Shekhar Chopra
E-mail:
shekhar@mayapurigroup.com

LOTPOT title is registered with the R.N.I.,Govt. of India. All rights are reserved with publisher for every content published in Lotpot. Nothing should be reproduced in any form without the permission of publisher. All contents published in the Lotpot are work of fiction and any resemblence to people,place etc is purely incidental. Illustrations are based on the imagination of artist and editor and /or publisher are not responsible for it. Editor and publisher may not be in agreement with the opinion of writers over the published contents. If any body has any objection towards any published content, they are welcome to submit the same with the publisher and it will be published as well. All disputes will be subject to the jurisdiction of Delhi only. Rs 4/- surcharge extra for Nepal, Srilanka, Dubai and other Gulf countries.

MAGAZINE KING

गर्मी की छुट्टियाँ

कथानक एवं चित्रांकन: हरविन्द्र मांकड़

MAGAZINE KING

मोटू पतलू डॉ. झटका घसीटा

मोटू, पतलू, घसीटा एवं डॉ. झटका कॉपी राईटएक्ट व ट्रेडमार्क के अन्तर्गत लोटपोट के लिए रजिस्टर्ड हैं।

MAGAZINE KING

बिना ये जाने कि मुफ्त की सैर मंहगी भी पड़ सकती है। मोटू-पतलू चल पड़े छुट्टियाँ मनाने

MAGAZINE KING

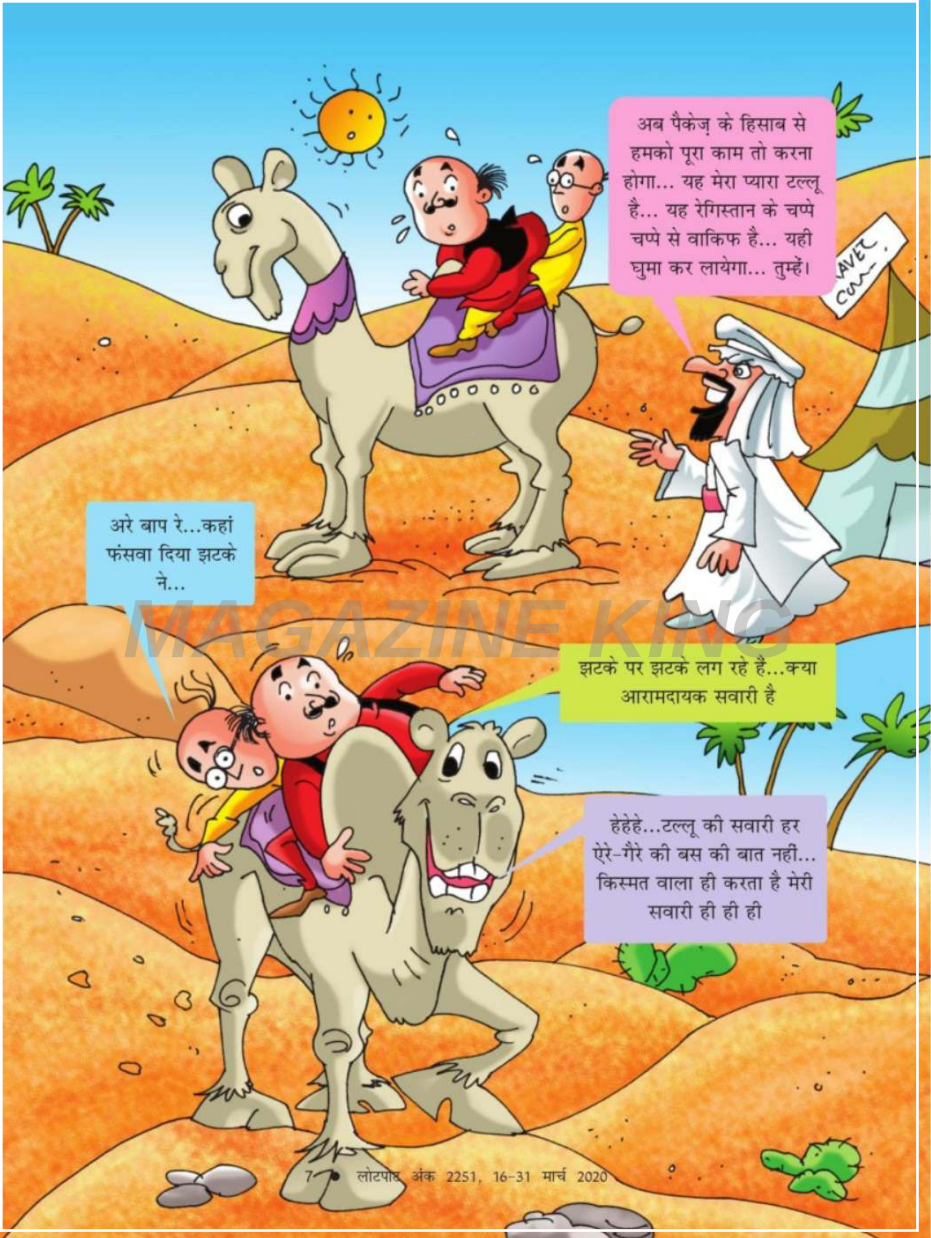

MAGAZINE KING

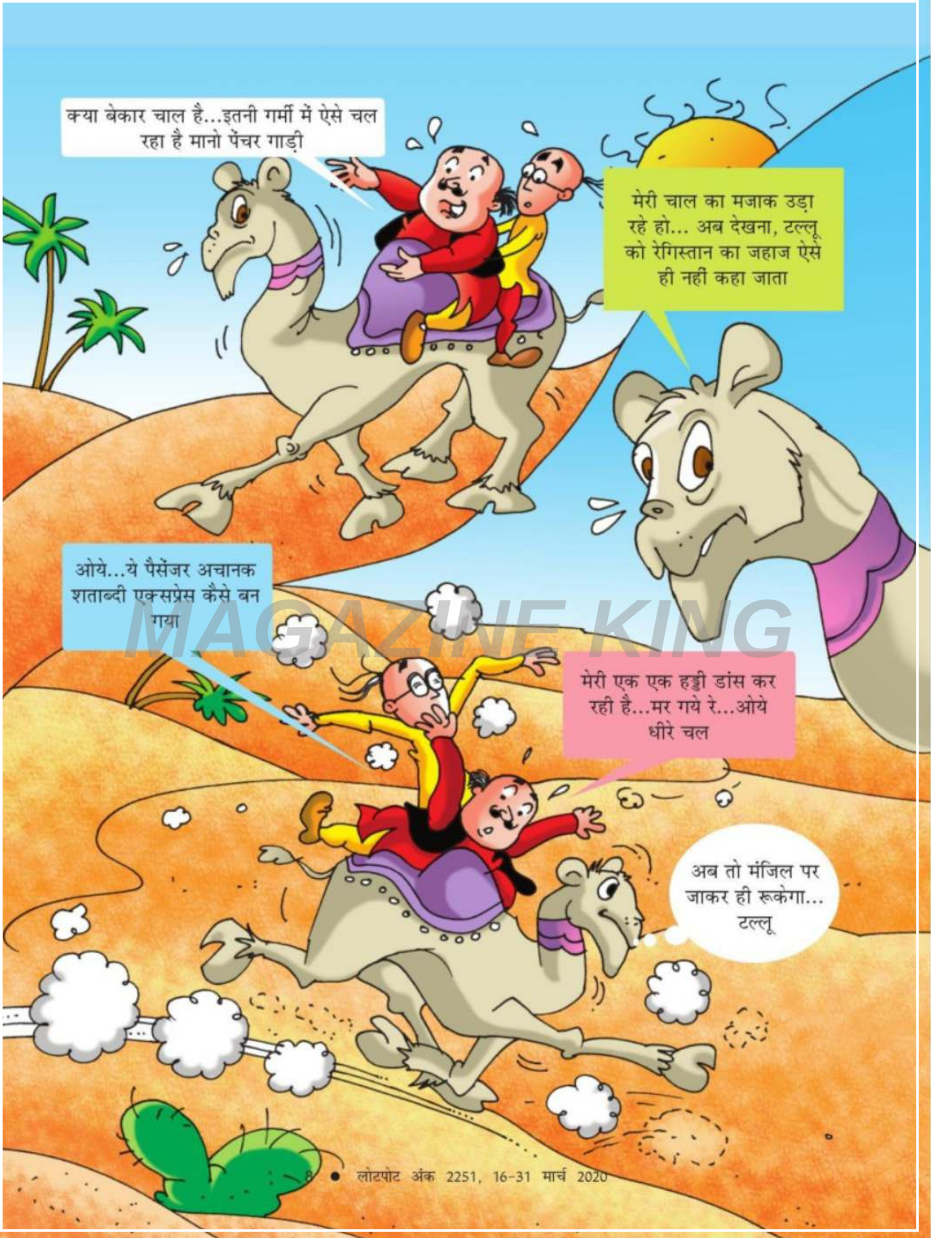

MAGAZINE KING

MAGAZINE KING

MAGAZINE KING

MAGAZINE KING

बाल कहानी

भेड़िया आया भेड़िया आया

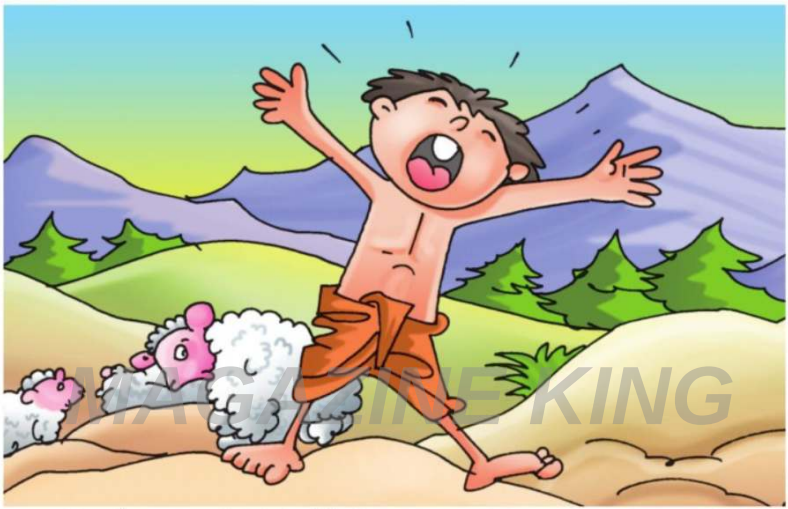

एक बार की बात है, एक चरवाहा भेड़ों के झुंड की देख रेख करता था। एक दिन वह उदास महसूस कर रहा था और उसने गांव के लोगों को पागल बनाने के बारे में एक प्लान बनाया। वह चिल्लाया, 'भेड़िया, भेड़िया!'

गांव के लोगों ने उसकी चीख सुनी और गांव से भागते हुए वह सभी चरवाहे की मदद के लिए पहुंचे। जब वह लोग उस चरवाहे के पास पहुंचे तो उन्होंने पूछा, 'भेड़िया कहां है?'

चरवाहा ज़ोर ज़ोर से हंसने लगा, 'हा हा हा! मैंने आप सभी को पागल बनाया। मै तो सिर्फ आप लोगों के साथ मज़ाक कर रहा था।' कुछ दिनों बाद चरवाहे ने यह हरकत दोबारा की। दोबारा से वह भेड़िया भेड़िया चिल्लाया और कहा मेरी मदद करो, मेरी मदद करो। दोबारा से गांव के लोग पहाड़ी पर उसकी मदद करने के लिए पहुंचे लेकिन दोबारा से उसका मज़ाक देखकर उन सभी को बहुत गुस्सा आया।

फिर, कुछ दिनों बाद सचमुच एक भेड़िया खेतों में घुस गया। उस भेड़िये ने पहले एक भेड़ को मारा और फिर दूसरी को। ऐसे करते करते उसने कई भेड़ों को मार डाला। चरवाहा भागता भागता गांव में चिल्लाता हुआ गया। 'मेरी मदद करो, कोई मेरी मदद करो। कृप्या मेरी मदद करो।'

गांव वालों ने उसकी चीख सुनी लेकिन वह हंसने लगे क्योंकि उन्होंने सोचा कि वह चरवाहा फिर से उनके साथ मज़ाक कर रहा है। चरवाहा पास के दूसरे गांव में मदद मांगने के लिए गया और कहा, 'एक भेड़िए ने मेरे भेड़ों पर हमला बोल दिया है। मैंने इससे पहले झूठ बोला था लेकिन इस बार मेरा झूठ सच हो गया।'

आखिरकार गांव वाले चरवाहे के साथ गए। इस बार वह सच बोल रहा था। उन्होंने देखा कि भेड़िया भाग रहा था और घास पर कई भेड़े मरी हुई थी।

उपदेश- जो इंसान कई बार झूठ बोलता है उस पर हम तब भी विश्वास नहीं कर पाते जब वह सच बोलता है।

डिज़्नीलैंड

डिज़्नीलैंड मटकते इठलाते मिकी माउस, मस्ती भरे म्यूज़िक पर परेड करते कार्टून कैरेक्टर, मस्ती भरे रेन डांस और थ्रिलर राइडिंग की दुनिया है। रात के अंधेरे में खूबसूरत और रंग बिरंगी रोशनी से सराबोर डिज़्नीलैंड को देखना बहुत रोमांचकारी होता है। डिज़्नीलैंड की स्थापना 17 जुलाई 1955 को हुई थी। इसका निर्माण वॉल्ट डिज़्नी ने कराया था।

आठ अलग-अलग खूबसूरत थीम पर बने डिज़्नीलैंड पार्क का क्रेज़ बहुत है।

1. मेन स्ट्रीट, यूएस- यह लैंड विक्टोरिया पीरियड के अमेरिका की याद दिलाता है। मेन स्ट्रीट का खास आकर्षण है टाउन्स सक्वायर। यहाँ मूवी थिएटर, सिटी हॉल, फायर हाउस, इम्पोरियम आदि में पर्यटकों की भारी भीड़ रहती है।

2. एडवेंचर लैंड- यहाँ हर चीज़ में रोमांच बसा है। एडवेंचर लैंड को देखने से ऐसा लगता है कि पृथ्वी की सभ्यता और संस्कृति से अलग हम कहीं किसी दूसरी दुनिया में पहुँच गए हो। यहाँ के खास आकर्षण है इंडियाना जोन्स टेपल ऑफ द फॉरबिडेन आई और पेड़ पर टार्जन का घर।

3. न्यू ऑरलेंस स्क्वायर- यह थीम 19वी सदी के न्यू ऑरलेंस पर आधारित है। पॉयरेट्स ऑफ द कैरिबियन और माउंटेड मेंसन यहाँ की मुख्य खासियत है।

4. फ्रंटियरलैंड- यह लैंड अमेरिकन फ्रंटियर के पायनियर डे को क्रिएट करता है। यहाँ के मुख्य आकर्षण हैं- बिग थंडर माउंटेन

रेलरोड, मार्क ट्वेन रिवरबोट।

5. क्रिटर कंट्री- इसकी स्थापना बीयर कंट्री के रूप में हुई थी। बाद में इसका नाम पड़ गया क्रिटर कंट्री। इस जगह पर आपको भालू अलग तरह के करतब करते हुए दिखेंगे।

6. फैंटेसी लैंड- इसकी कल्पना स्वप्न नगरी के रूप में की गई। यहाँ के मुख्य आकर्षण है डार्क राइड्स, चिल्ड्रेन राइड्स आदि।

7. मिकी टूनटाउन- यह दर्शकों के लिए 1993 में खुला है। मिकी टूनटाउन 1930 का कार्टून कैरेक्टर है।

8. टुमारोलैंड- आने वाले कल की खूबसूरत कल्पना ही इस लैंड की थीम है। इस खूबसूरत कल्पना को देखना बेहद दिलचस्प और रोमांचकारी होता है।

MAGAZINE KING

बूट पॉलिश करने वाले सनी बने इंडियन आइडल के विजेता

बठिंडा के सनी हिंदुस्तानी इंडियन आइडल के 11वें सीजन के विजेता बन गए हैं। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव के बिजनेस हेड दानिश खान ने उनको 25 लाख रूपये का चेक टाटा अल्ट्रॉज कार और टी सीरीज की आगामी फिल्म में एक गाने के अनुबंध से सम्मानित किया। वह इससे पहले तीन फिल्मों में गाने गा चुके हैं। मुंबई आयोजित ग्रैंड फिनाले के दौरान सनी की मां सोमा और बहन सखीना भी मौजूद थी।

ग्रैंड फिनाले में पांच फाइनलिस्ट सनी हिंदुस्तानी, रोहित राउत, रिधम कल्याण ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जज नेहा कक्कड़, हिमेश रेशामिया और विशाल ददलानी ने बॉलीवुड चार्टबस्टर्स पर मन मोह लेने वाली प्रस्तुतियां दी। फिनाले में आयुष्मान खुराना, जितेंद्र कुमार, नीना गुप्ता, गजराज राव, अनूप सोनी, टोनी और सोनू कक्कड़ और सीजन 10 के विजेता सलमान अली जैसी हस्तियां नजर आई।

पहले उपविजेता रोहित राउत और दूसरी रनर अप आंकोना मुखर्जी को पांच-पांच लाख का चेक मिला। तीसरे और चौथे रनर अप रिधम और एड्रिज 3 लाख रूपये का चेक दिया गया। जीत से अभिभूत सनी ने कहा, मैंने पहले दौर से गुजरने के बारे में भी नहीं सोचा था, प्रतियोगिता जीतना तो दूर की बात है। मैंने एक लंबा रास्ता तय किया है। और विश्वास नहीं कर सकता कि सफर अभी शुरू हुआ है। यह मेरे सभी सपनों, इच्छाओं और प्रार्थनाओं का एक साथ होने जैसा है।

21 वर्षीय सनी इंडियन आइडल में भाग लेने से पहले तक बूट पॉलिश करते थे, लेकिन कुदरत की तरफ से मिले सुरों ने उनको छह माह में ही गायकी के गगन का सितारा बना दिया। पिता नानक शादी में गाते और बूट पॉलिश करते थे। उनकी जम्मू में आए सैलाब के दौरान मौत हो गई थी। सनी की दादी मीरा भी गाने गाकर भीख मांगती थी। मां सोमा देवी घूम कर गुब्बारे बेचती रही है।

बाल कहानी

मेहनत का महत्व

शिमला के पास पालमपुर नाम का एक छोटा गांव था। उस गांव के लोग साधारण काम करने वाले लोग थे जो अपनी रोजमर्रा के खर्चे को बहुत मुश्किल से कमाते थे।

उस गांव के पास एक छोटा गांव था, जहां पर थोड़े समय में एक छोटा बाज़ार बन गया था। रामलाल उस गांव का एक गरीब मजदूर था जो अपने रोज़ के पैसे कमाने के लिए उस बाज़ार में दिहाड़ी के लिए काम करता था। रामलाल के पास पैसे कमाने का यही जरिया था। उस पर कई ज़िम्मेदारियां थी जैसे उसके बच्चों की पढ़ाई का खर्चा, खाना, कपड़े आदि। उसके चार बच्चे थे लेकिन उन सभी में भोला सबसे मस्ती करने वाला बच्चा था। उसका पढ़ाई में कोई ध्यान नहीं था। वह स्कूल ना जाने के कई बहाने बनाता था। इतना ही नहीं वह घर का खाना खाने के बजाए चॉकलेट, टॉफी और बेकार की चीज़े खाने में दिलचस्पी रखता था। हर रोज़ वह अपने पिता से कुछ न कुछ कहकर पैसे लेता था और उसे बिना सोचे समझे खर्च कर देता था।

रामलाल अपने बेटे भोला के लिए बहुत चिंतित था क्योंकि उसमें गंदी आदतें थी। एक दिन उसने कड़ा फैसला लेते हुए

अपने बेटे को सुधारने का फैसला लिया। उसने कसम खाई कि वह भोला को उस दिन से एक रूपया भी नहीं देगा।

अपने पिता के यह शब्द सुनकर भोला उदास हो गया। उसने सोचा कि यह दिन उसके लिए अच्छा नहीं है। अगर उसने पैसे नहीं कमाए तो उसे रात का खाना खाने को नहीं मिलेगा। उसने सोचा, 'मै कहां जाऊं? मुझे अपनी मां से पचास रूपये लेने चाहिए और इस तरह से आज के दिन की समस्या सुलझ जाएगी।'

यह सोचकर वह अपनी मां के पास गया और उसने पूरी बात बताई। उसकी मां ने उसे पचास रूपये दे दिए। पचास रूपए लेकर वह अपने पिता के पास गया और उन्हें उसने पैसे दे दिए।

रामलाल समझ गया कि उसके बेटे ने पैसे कमाए नही है बल्कि उसने यह पैसे किसी से लिए है। इसलिए उसने अपने बेटे को वह पचास रूपए का नोट कुएं में फेंकने का आदेश दिया। भोला ने पैसे कुएं मे डाल दिए।

रामलाल ने फिर भोला से कहा, 'मैने तुम्हें खुद से पैसे कमाने के लिए कहा था। तुमने यह पैसे अपनी मां से क्यों लिए? जाओ और खुद जाकर पैसे कमाकर लाओ। अगर तुम मेहनत करके पचास रूपए नहीं कमा पाए तो तुम्हें शाम का खाना नही मिलेगा। जाओ और जैसा मैने करने के लिए कहा है, वैसा करो।'

इन सब हरकतों के बाद भी भोला ने अपने पिता के शब्दों को गंभीरता से नहीं लिया। वह दोबारा अपनी मां के पास गया और उसे जाकर सब बातें बताई और उससे पचास रूपए दोबारा मांगे। लेकिन इस बार उसकी मां ने उसे पैसे देने से मना कर दिया। फिर वह अपनी बहन के पास गया और उसने उसे पूरी कहानी सुनाई और उससे पैसे मांगे। बहन को अपने भाई पर तरस आ गया और उसने उसे पचास रूपए दे दिए। वह बहुत खुश हुआ और उसने जाकर पैसे अपने पिता को दे दिए। लेकिन उसके पिता ने दोबारा उसे पैसे कुएं में फेंकने के लिए कहा। उसने पैसे कुएं में गिरा दिए। रामलाल ने अपने बेटे से कड़क आवाज़ में कहा, 'खुद जाकर पैसा कमाओ।' दुखी बेटा दोबारा अपनी मां के पास गया लेकिन उसने मना कर दिया, फिर वह अपनी बहन के पास गया और उसने भी मना कर दिया।

भोला घर से बाहर आया। वह बहुत उदास था और उसने सभी आशाएं छोड़ दी थी। वह सड़क किनारे जाकर बैठ गया

MAGAZINE KING

और रोने लगा। वहां से गुजरते एक आदमी ने पूछा, 'तुम रो क्यों रहे हो?' भोला ने जवाब दिया, 'मुझे तुरंत पचास रूपए चाहिए। मेरे पिता ने मुझे कहा है कि अगर मै आज पचास रूपए नहीं लाया तो वह मुझे शाम का खाना नही देंगे' सही कहा, तुम्हें काम करना ही पड़ेगा और पैसे कमाने पड़ेंगे। तुम्हें कोई बिना काम किए पैसे नही देगा। तुम रेलवे स्टेशन क्यों नही जाते। वहां जाकर मुसाफिरों का सामान उठाओ और तुम्हें पैसे मिल जाएंगे।' फिर उस आदमी ने भोला को अपना सामान स्टेशन तक उठाने के लिए कहा और उसे बीस रूपए दिए। इस काम से भोला को प्रेरणा मिली। भोला ने रेलवे प्लेटफॉर्म पर बहुत से मुसाफिरों का सामान उठाया और शाम तक उसने तीस रूपए और कमा लिए। अब उसके पास पचास रूपए थे। वह तुरंत घर गया।

जब वह घर गया तो उसने वह पैसे पिता को दिए। लेकिन उसके पिता ने उसे फिर पैसे कुएं में डालने के लिए कहा।

इस बार भोला ने पैसे नहीं गिराए। बल्कि उसने अपने पिता से कहा, 'इस बार मैने किसी से पैसे उधार नही लिए है। मैने मेहनत करके यह पैसे कमाए है। मै इन्हें कुएं में नहीं फेकूंगा। मैने रेलवे स्टेशन पर लोगों का सामान अपने सिर पर रखकर उठाया है। मैने मेहनत से पैसे कमाए है इसलिए मै इसे नही फेकूंगा बल्कि मै इसे संभाल कर रखूंगा।' यह सुनकर रामलाल ने अपने बेटे को शाबाशी दी। उसने आगे कहा, 'मै भी पैसे मेहनत करके कमाता हूं और तुम उसे फालतू चीज़ों पर खर्च कर देते हो। मुझे उम्मीद है कि अब तुम्हें मेहनत से पैसे कमाना आ गया होगा।' उसने आगे कहा, 'मै तुम्हारी प्रशंसा करता हूं कि तुमने हिम्मत नहीं हारी और मेहनत करने की कोशिश की। लेकिन अभी तुम्हारा पढ़ने का समय है। अच्छी शिक्षा पाकर अच्छे नागरिक बनो।'

भोला बहुत खुश हुआ। उसका आत्मविश्वास बढ़ गया और उसने कहा, 'मै ज़िंदगी में मेहनत करूंगा और कभी पैसों की बर्बादी नहीं करूंगा। मै एक अच्छा नागरिक बनने की कोशिश करूंगा।'

10 अंतर ढूँढिए

Chill Out

MAGAZINE KING

भूल भुलैया

MAGAZINE KING

खरगोश को गाजर तक पहुँचने में मदद करें।

ग्रेबेस

अपनी विचित्र आदतों के लिए मशहूर पक्षी ग्रेबेस पश्चिमी देशों में संतुलित क्षेत्रों के लगभग सभी कोस्मोपोलिटन क्षेत्रों में पाया जाता है। यह पक्षी स्वच्छ पानी में रहता है और मछलियों तथा अन्य जलीय जीवों का भोजन करता है और उन्हें पानी के नीचे पकड़कर ही अपना आहार बनाता है। यह पक्षी अपने ही पंख नोच डालता है। और अपने नोचे गए पंखों को अपने बच्चों को खिला देता है। ग्रेबेस के बच्चे भी अपने माता पिता के शरीर से भी पंख नोचकर खा जाते है। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रेबेस अपने पंखों को इसलिए खाते है ताकि वह अपने शरीर के भीतर से मछलियों की हड्डियां तथा न पचने वाली अन्य वस्तुओं को शरीर से बाहर निकालने वाले 'गुलेले' बना सके। यह पक्षी अपने एक अंडे से बच्चा निकालने के बाद अपने ही दूसरे अंडे को बगैर बच्चा निकाले यथावत छोड़ देता है। प्रजनन काल के दौरान तो ग्रेबेस की कई प्रजातियों के सिर पर एक रंग बिरंगा फुदना सा उभर आता है।

MAGAZINE KING

बाल कविता

आए बादल

आसमान पर छाए बादल
बारिश लेकर आए बादल
गड़-गड़, गड़-गड़ की धुन में
ढोल नगाड़े बजाए बादल
बिजली चमके चम-चम, चम-चम
छम-छम नाच दिखाए बादल
चले हवाएँ सन-सन, सन-सन
मधुर गीत सुनाए बादल
बूंदें टपके टप-टप, टप-टप
झमाझम जल बरसाए बादल
झरने बोले कल-कल, कल-कल
इनमें बहते जाए बादल
चेहरे लगे हँसने मुसकाने
इतनी खुशियाँ लाए बादल

MAGAZINE KING

मेरी रेल

छूटी मेरी रेल
रे बाबू छूटी मेरी रेल।
हट जाओ हट जाओ भैया
मै न जानूं फिर कुछ भैया
टकरा जाये रेल।
इंजन इसका भारी भरकम
बढ़ता जाता गमगम गमगम।
धमधम धमधम धमधम धमधम
करता ठेलम ठेल।
सुनो गार्ड ने दे दी सीटी
टिकट देखता फिरता टीटी।
सटी हुई वीटी से वीटी
करती पेलम पेल
छूटी मेरी रेल।

&TV के एक महानायक- डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के सेट पर जगन्नाथ बने आयुध भानुशाली के टीचर

पिता और बेटे के रिश्ते जैसा कुछ नहीं होता है, वह पोषक और प्रेरक होता है। ऐसा ही रिश्ता डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और उनके पिता के बीच था, जिसे हम **&TV** पर **एक महानायक- डॉ. बी.आर. अम्बेडकर** शो में देख सकते है। रोचक बात यह है कि शूटिंग के दौरान जगन्नाथ निवानगुणे (रामजी सकपाल) और आयुध भानुशाली (बाल बाबासाहब) के बीच पिता और पुत्र का पर्दे पर दिख रहा रिश्ता पर्दे के बाहर भी काफी गहरा रहा है। यह दोनों एक-दूसरे के साथ मजबूती से जुड़ गये है, इतना कि पर्दे के बाहर की उनकी केमिस्ट्री पर्दे पर उनकी भूमिकाओं में छा रही है।

इस शो की शूटिंग को कुछ ही महीने हुए है, लेकिन आयुध के सम्बंध अपने सभी साथी कलाकारों के साथ बहुत मजबूत हो गये है। आयुध और शो में उनकी माँ बनी नेहा जोशी के बीच वात्सल्य का स्वाभाविक भाव देखा जा सकता है और इस बच्चे ने शो में अपने पिता बने जगन्नाथ के साथ भी मजबूत रिश्ता बना लिया है। जगन्नाथ को अक्सर अपने छोटे सह-कलाकार की पढ़ाई में मदद करते या उसके साथ खेलते देखा जा सकता है। चाहे लूडो खेलना हो या बाबासाहब के किरदार को गहराई से समझना, जगन्नाथ सेट पर आयुध की खूब मदद कर रहे है।

उन्होंने कहा, ''मै खुद एक पिता हूँ, इसलिये अक्सर बच्चों के साथ मेरा रिश्ता गहरा हो जाता है, इधर आयुध एक उत्साही और प्रसन्नचित्त बच्चा है, तो उसके साथ दोस्ती न करना कठिन है। बाबासाहब के पिता की भूमिका को पर्दे पर निभाते हुए आयुध के साथ मेरे रिश्ते में पितृभाव उत्पन्न हो गया। मै उसे लेकर फिक्रमंद रहता हूँ और ब्रेक के दौरान उसे सिखाने या उसके साथ खेलने के लिये समय निकाल लेता हूँ।''

जगन्नाथ निवानगुणे ने आगे कहा, ''बाबासाहब के पिता रामजी सकपाल का अपने बेटे के जीवन पर बड़ा प्रभाव रहा है। अपने बेटे के कठिन समय में उन्होंने सहयोग देने और उत्साह बढ़ाने का काम किया और वे अपने बच्चों की बेहतरी के लिये प्रतिबद्ध थे। बाबासाहब के लिये अपने पिता को खोना एक बड़ी हानि थी, लेकिन इससे वे अपने लक्ष्यों की प्राप्ति से नहीं भटके। संयोगवश बाबासाहब के पिता की पुण्यतिथि 2 फरवरी को है और उस अवसर पर मैने और आयुध ने यह चर्चा की कि रामजी ने किस प्रकार अपने बेटे के भविष्य को आकार देने में मदद की। अम्बेडकर की कहानी में इस रिश्ते का बड़ा महत्व है और मैने इसकी सही प्रस्तुति करने का प्रयास किया है। मेरे और आयुध के बीच पिता-पुत्र जैसा रिश्ता है और मै मानता हूँ कि इसी रिश्ते ने पर्दे पर बाबासाहब और उनके पिता के रिश्ते का सही सार जीवंत करने में हमारी मदद की है।''

MAGAZINE KING

सितारों संग बड़े धूमधाम से मनाया गया
चिल्ड्रेन वेलफेयर सेंटर हाई स्कूल व क्लारास कॉलेज का वार्षिक महोत्सव

चिल्ड्रन वेलफेयर सेंटर स्कूल तथा क्लारास कॉलेज ऑफ कॉमर्स द्वारा वार्षिक महोत्सव के अवसर पर भव्य और रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन को स्कूल ग्राउंड, यारी रोड, अँधेरी वेस्ट, मुंबई में हुआ। जहाँ पर कॉलेज और स्कूल के बच्चों के वार्षिक पुरस्कार का वितरण स्कूल के प्रिंसिपल श्री अजय कौल और आये अतिथियों द्वारा किया गया। जहाँ पर बच्चों द्वारा नृत्य, राष्ट्रीय एकता और अखंडता पर सामाजिक नाटक व विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में स्कूल के प्रिंसिपल श्री अजय कौल, एक्टिविटी चेयरमैन प्रशांत काशिद, शबनम कपूर के अलावा सांसद गजानन कीर्तिकर, विधायक डॉ.भारती लव्हेकर, शैलेश फनसे, लक्ष्मी अग्रवाल, डॉ. अमर सिंह निकम, डॉ.मनीष निकम इत्यादि और फिल्म कलाकार करिश्मा कपूर, सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे, आदित्य पंचोली, चंकी पांडे, खल्ली, करिश्मा तन्ना, दया शेट्टी, सिद्धार्थ निगम जैसे सम्माननीय अतिथिगण, समाजसेवक, राजनेता, फिल्म अभिनेता इत्यादि लोग शामिल हुए और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

प्रशांत काशिद और करिश्मा कपूर

MAGAZINE KING

अजय कौल, सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे, लक्ष्मी अग्रवाल और डॉ. भारती लव्हेकर

अजय कौल, चंकी पांडे, आदित्य पंचोली और दया शेट्टी

बाल कहानी

होशियार तोता

एक समय की बात है एक जंगल में एक तोता रहता था। वह बहुत सुंदर था। उसकी चोंच और पंख बहुत ज़्यादा सुंदर थे। उस तोते के साथ उसका छोटा भाई भी रहता था। वह दोनों जंगल में खुशी खुशी रहते थे।

एक दिन एक शिकारी जंगल में आया। उसने तोते की इस जोड़ी को देखा और सोचा, 'यह तोते बहुत सुंदर और खास है। मै इन तोतों को राजा को भेंट करूंगा।' उस शिकारी ने जंगल में अपना जाल बिछाया ताकि वह दोनों तोतो को पकड़ सके। जल्द ही दोनों तोते उस शिकारी के जाल में फंस गए। उसने तोतो को अपने पिंजरे में रखा और अपने घर वापिस चला गया। उस शिकारी ने राजा से कहा, 'ओह राजा! देखिए तोतों की इस सुंदर जोड़ी को। मैंने इन्हें घने जंगल से पकड़ा

MAGAZINE KING

है। इनकी सुंदरता देखकर सोचा कि मैं इन्हें आपको भेंट स्वरूप दूं। यह आपके महल की खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे।'

यह सुनकर राजा बहुत खुश हुआ। उसने शिकारी को एक हज़ार सिक्के ईनाम में दिए। उस राजा ने दोनों तोतो को सोने के पिंजरे में रखा और अपने सेवकों को उनकी देखभाल करने का आदेश दिया।

तोतों की बहुत अच्छे से देखभाल की जाती थी। उन्हें महल में बहुत महत्वपूर्ण पक्षियों की तरह रखा गया। उन्हें खाने में फल और स्वादिष्ट खाना दिया जाता था। सबकी नज़र महल में तोतो पर रहती थी। बल्कि राजकुमार भी उन तोतों के साथ खेलने आता था। तोते बहुत खुश थे। उन्हें सब कुछ बिना मेहनत के मिल रहा था। बड़े तोते ने अपने भाई से कहा, 'हमें इस राजमहल में काफी इज्ज़त मिली है इसलिए मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ।'

छोटे भाई ने जवाब दिया, 'तुम सही कह रहे हो। हमें एकदम राजसी सेवा मिल रही है। यह हमारी किस्मत है।'

एक दिन शिकारी काला बंदर लेकर आया और उसने उसका नाम काला बाहू रखा। वह बंदर राजा को भेंट किया गया। राजा ने अपने सेवकों को बंदर को आंगन में रखने के लिए कहा। राजा और उनका बेटा यानि छोटा राजकुमार बंदर की हरकते देखकर बहुत खुश और हैरान हुआ करते थे। जल्द ही बंदर ने सभी को अपनी ओर आकर्षित कर लिया था।

बंदर के आने से तोतों पर अब कोई ध्यान नहीं देता था। कभी कभी तो उन्हें खाना भी नहीं मिलता था। दोनों तोतो को इसका कारण पता था। बड़ा तोता होशियार था और उसे उम्मीद थी कि जल्दी उनके दिन बदलेंगे इसलिए उन्हें उदास नहीं होना चाहिए। उसने अपने भाई को सांत्वना दी, 'इस दुनिया में कोई चीज़ हमेशा के लिए नहीं होती। जब तक हमारे बुरे दिन खत्म नहीं होते तब तक थोड़ा धीरज रखो।'

एक दिन बंदर राजकुमार के आगे कुछ पेश कर रहा था और उससे राजकुमार डर गया और वह चिल्लाया, 'मेरी मदद करो, मेरी मदद करो।' राजकुमार की आवाज़ सुनकर सभी उसके पास आ गए और वहां से राजकुमार को ले गए। जब राजा को इसका पता चला तो उसने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वह बंदर को जंगल में वापिस छोड़ आए। अगले दिन बंदर को जंगल में भेज दिया गया।

अब तोतों के बुरे दिन खत्म हो गए थे। उनकी फिर से खातिरदारी होने लगी। उनके लिए अच्छे और स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते थे। वह फिर से सभी की आंख के तारे बन गए।

होशियार तोते ने अपने छोटे भाई को समझाया कि समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता इसलिए अगर हमारे साथ कुछ समय के लिए कुछ गलत हो रहा है तो उससे हमें घबराना नहीं चाहिए। छोटे तोते को महसूस हुआ कि इस दुनिया में कोई भी चीज़ हमेशा एक जैसी नहीं रहती इसलिए हर किसी को धीरज रखना चाहिए।

MAGAZINE KING

हंसगुल्ले

मरीज- डॉक्टर साहब, मुझे बीमारी है कि बात करते समय मुझे सामने वाला आदमी दिखाई नहीं देता।

डॉक्टर- ऐसा कब होता है?

मरीज- जब मै फोन पर बातें करता हूँ।

पहला आदमी- तुमने मेरी जेब में हाथ क्यों डाला?

दूसरा आदमी- मै पेन ले रहा था।

पहला आदमी- यह तुम मांगकर भी ले सकते थे

दूसरा आदमी- मै अजनबियों से बात नहीं करता।

अध्यापक बच्चे से- तुम्हारे जन्म की तारीख क्या है?

बच्चा- जी 30 तारीख।

अध्यापक- किस महीने?

बच्चा- जी अक्टूबर

अध्यापक- किस साल?

बच्चा- जी हर साल।

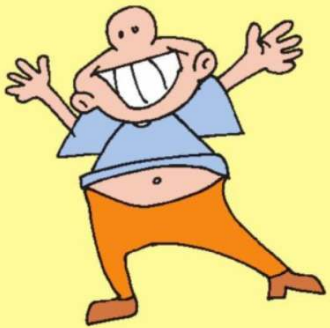

डॉक्टर- देखो, तुम एक घंटे तक और जिन्दा रह सकते हो, मरने से पहले तुम किसी से मिलना चाहोगे?

मरीज- जी हाँ, किसी और अच्छे डॉक्टर से मिलवा दीजिए।

MAGAZINE KING

राजा (मुन्ना से)- क्या तुम पास हो गए हो?

मुन्ना- हाँ, हमारी पूरी कक्षा पास हो गई, लेकिन मैडम फेल हो गई।

राजा- वह कैसे?

मुन्ना- वे अभी भी उसी कक्षा में पढ़ा रही हैं।

मरीज (डॉक्टर से)- डॉक्टर साहब, मुझे कोई बात एक मिनट भी याद नहीं रहती।

डॉक्टर- ऐसा कब से है?

मरीज- क्या कब से है?

नटखट नीटू, टीटा, रोबो, डोगो और डॉ. डेविल कॉपी राईट एक्ट व ट्रेडमार्क के अन्तर्गत लोटपोट के लिए रजिस्टर्ड है।

नटखट नीटू

डॉ. हरविन्द्र मांकड़

MAGAZINE KING

MAGAZINE KING

MAGAZINE KING

MAGAZINE KING

MAGAZINE KING

द बीस्ट: अमरीकी राष्ट्रपति की कार

☐ **राष्ट्रपति का कक्ष**– अंदर का हिस्सा चालक कैबिन से एक कांच की दीवार के जरिए अलग होता है, जिसे सिर्फ राष्ट्रपति के चाहने पर या कोई निर्देश देने के लिए नीचे कर सकते है। किसी भी आपात स्थिति के लिए यहां पैनिक बटन और ऑक्सीजन आपूर्ति की व्यवस्था रहती है।

☐ **बूट**– यहां अग्निरोधि सिस्टम, आंसू गैस और स्मोक स्क्रीन डिस्पेंसर होते है।

☐ **सेटेलाइट फोन**– ट्रम्प की सीट पर सेटेलाइट फोन सीधे उपराष्ट्रपति और पेंटागन के संपर्क में रहता है।

☐ **ईंधन टैंक**– इसमें विशेष फोम भरा रहता है और सीधी टक्कर के बाद आग नहीं लग सकती।

☐ **बॉडी**– कार की बॉडी टाइटेनियम, स्टील, एल्युमीनियम और सेरेमिक्स की मिश्रित धातु पांच इंच मोटी चादर से बनी होती है। कार बख्तरबंद सैन्य वाहन की तरह सुरक्षित है।

☐ **सुरक्षा उपकरण**– यह कार कई हथियारों से लैस है। इनमें पम्प-एक्शन शॉटगन, राट्रपति के ग्रुप का ब्लड आदि होते है।

☐ **चैसिस**– रेनफोर्स स्टील प्लेट से बनी है जो किसी भी धमाके से कार की रक्षा करती है।

☐ **टायर**– सभी केवलरी रेनफोर्स टायर स्वचालित और पंक्चररोधी होते है। इसके रिम स्टील के और विशेष तरह से डिजाइन किए होते है, जो टायर ब्रस्ट हो जाने की स्थति में भी वाहन को उतनी ही गति और क्षमता से किसी भी कठिन परिस्थिति से निकाल कर ले जा सकते है।

☐ **चालक कैबिन**– चालक का संपर्क सीधे ट्रेकिंग सेंटर से जुड़ा रहता है।

☐ **विंडो**– विंडो पर पांच परत वाला पोलिकार्बोनेट कांच लगा है। यह बुलेटप्रूफ है। सिर्फ ड्राइवर साइड की विंडो के ग्लास को तीन इंच तक नीचे किया जा सकता है।

☐ **चालक**– चालक को अमरीकी सीक्रेट सर्विस द्वारा विशेष ट्रेनिंग दी जाती है। कैसी भी चूनौतीपूर्ण स्थिति में वह ड्राइविंग करने में सक्षम होता है। किसी आपातकालीन स्थिति से निकलने के लिए वह एक बार में कार को 180 डिग्री तक घुमा सकता है।

☐ **दरवाजे**– इसके दरवाजे 8 इंच मोटे होते है। यह वजन और मजबूती में बोइंग 757 के कैबिन डोर के बराबर होते है। दरवाजे बंद होते ही कार 100 फीसदी सील हो जाती है। तब इस पर कोई रासायनिक हमला भी असर नहीं दिखा सकता।

MAGAZINE KING

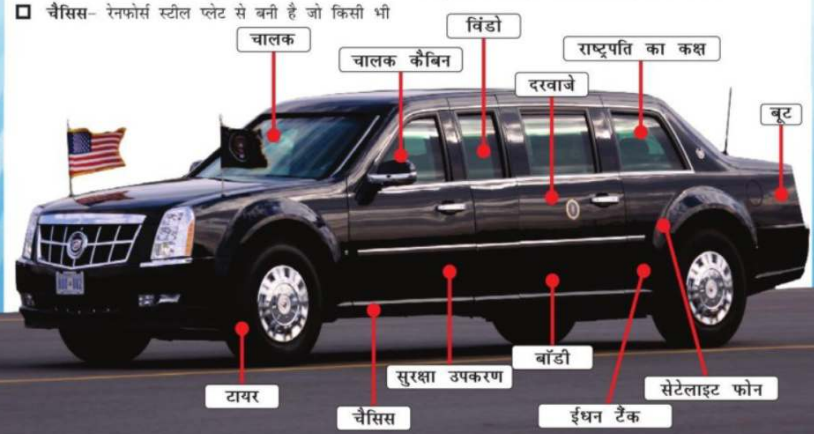

ऐसा है एयरफोर्स-1

☐ **राष्ट्रपति स्टाफ का कक्ष**– इस कक्ष में राष्ट्रपति का सीनियर स्टाफ बैठता है। इसे जरूरत पड़ने पर ऑपरेशन टेबल युक्त अस्पताल में भी बदला जा सकता है।

☐ **खुफिया कक्ष**– इसमें सीक्रेट सर्विस के एजेंट रहते है।

☐ **मीडिया कक्ष**– यह पत्रकारों के लिए होता है। इसमें बिजनेस क्लास सीट होती हैं। हर सीट पर फ्लेट टीवी स्क्रीन 20 फिल्में देख सकते है। हर सीट पर म्यूजिक सिस्टम और हेडफोन होता है।

☐ **मेहमान कक्ष**– इस कक्ष में राष्ट्रपति के साथ यात्रा में आने वाले मेहमान जैसे सांसद, गवर्नर और सेलेब्रिटी रहते है।

लैम्प– ये टाइटेनियम से बने और अंदर की ओर कसे होते है।

☐ **सुरक्षा कक्ष**– इस तरफ विमान की पूरी लंबाई में विशेष रक्षा उपकरण जैसे राडार, जैमर, रेडियो एंटीना और साइबर हमले और हीट सीकिग मिसाइल को रोकने वाले यंत्र लगे रहते हैं।

☐ **रसोई**– एयरफोर्स में रेस्त्रां जैसी रसोई है, जिसमें एक समय में 100 से ज्यादा लोगों का खाना तैयार हो सकता है। पांच शैफ यहां तैनात है।

☐ **राष्ट्रपति का कक्ष**– यहां मौजूद दो सोफे, एक बटन से बेड में बदल जाते है। ओबामा बच्चों के साथ यात्रा करते थे, तब इसमें एक टीवी और वाईफाई वीडियोगेम भी लगाई गई थी।

☐ **रिफ्यूलिंग नोजिल**– इसके जरिए हवा में ही विमान में ईंधन भरा जा सकता है।

☐ **कॉकपिट**– यहां पायलट विमान को नियंत्रित करते है।

☐ **सूचना कक्ष**– 19 टीवी स्क्रीन वाला यह एक हाईटेक कैबिन है, जहां हवा से हवा, हवा से जमीन और सेटेलाइट की सूचनाओ पर नजर रखी जाती है।

☐ **कॉन्फ्रेंस एवं डायनिंग कक्ष**– यह साउंडप्रूफ कक्ष है, जिसमें 50 इंच का प्लाजमा टीवी और वीडियो कान्फ्रेंसिंग की सुविधा मौजूद है। राष्ट्रपति चाहें तो यहां से राष्ट्र को संबोधित कर सकते है।

☐ **मिरर वॉल**– विमान के दोनों डेनों में लगा यह डिफेंस सिस्टम इनफ्रारेड गाइडेंस सिस्टम से सुरक्षा देता है।

☐ **मिसाइल से सुरक्षा**– डेनों में लगा यह सिस्टम खास किस्म का बुरादा और लपटें छोड़कर हीट सीकिग मिसाइल को भ्रमित करता है।

मैरीन वन

यह अमरीकी राष्ट्रपति का खास हैलिकॉप्टर है। जब राष्ट्रपति इसमें सफर कर रहे होते है, केवल तभी यह मैरीन-वन का इलेक्ट्रानिक सिग्नेचर इस्तेमाल करता है, अन्यथा यह नाइअहॉक के सिग्नेचर पर उड़ान भरता है। मिसाइल हमले से बचाने के लिए इसमें विशेष इंतजाम है। फायरिंग क्षमता से लेस कम से कम एक सैनिक भी साथ चलता है। इसकी अधिकतम गति 241 किलोमीटर प्रति घंटा है। इसमें राष्ट्रपति के लिए सभी जरूरी सुविधाओं को जुटाया गया है। यह ऐसा हैलिकॉप्टर है, जिसमें बाथरूम भी होता है।

MAGAZINE KING

ऐतिहासिक: बेटियों को एक दिन में तीन स्वर्ण

भारतीय महिला पहलवान दिव्या काकरान, सरिता मोर व पिंकी ने अपने वजन वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

मेजबान भारत के लिए दिन यादगार रहा और पांच में से चार पहलवान फाइनल में पहुंची। इसमें से सिर्फ निर्मला देवी को 50 किग्रा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। निर्मला देवी जापान की मिहो इशाराशी से 2-3 से हारी। किरण (76 किग्रा) में एकमात्र पहलवान रही जो पदक हासिल नहीं कर सकी।

यह पहली बार है जब इस चैंपियनशिप में तीन महिला पहलवानों ने स्वर्ण पदक जीते। इससे पहले भारत के लिए सीनियर एशियाई चैंपियनशिप महिला स्पर्धा में एकमात्र स्वर्ण नवजोत कौर ने हासिल किया था। उन्होंने 2018 में किर्गिस्तान के बिशकेक में 65 किग्रा का खिताब जीता था। भारत के कुल पदकों की संख्या नौ पहुंच गई है। इन पदकों में ग्रीको रोमन के एक स्वर्ण और चार कांस्य तथा महिलाओं के तीन स्वर्ण और एक रजत शामिल है।

जापानी पहलवान को धोया: दिव्या ने 68 किग्रा वर्ग के फाइनल में जापान की जूनियर विश्व चैंपियन नरूहा मातसुयुकी को कड़े मुकाबले में 6-4 से हराया। दिव्या ने अपने वर्ग में सभी चार मुकाबले विपक्षी पहलवानों को चित करके जीते। दिव्या ने कहा, मैंने दो घंटे के अंदर चार मुकाबले जीते। हालांकि शारीरिक रूप से यह मुश्किल था लेकिन अच्छी जीत है कि मैंने सही तरह से आक्रमण किया।

सरिता का दमदार खेल: सरिता ने 59 किग्रा वर्ग में कजाखस्तान की मदीना बाकबेरजेनोवा और किर्गस्तान की नारिजा मार्सबेकिजी के खिलाफ अपने पहले दो मुकाबले तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीते। इसके बाद उन्होंने जापान की युमी कोन पर 10-3 से जीत हासिल की। उन्होंने फाइनल में मंगोलिया की बातसेतेग अटलांटसेतसेग को 3-2 से हराकर इस प्रतियोगिता में पहला स्वर्ण पदक हासिल किया।

पिंकी भी छाईं: पहली बार सीनियर एशियाई प्रतियोगिता में भाग ले रही पिंकी ने उज्बेकिस्तान की शोकिदा अखमेदोवा को चित करके शुरूआत की। फिर जापान की काना हिगाशिकावा को पराजित किया। उन्होंने सेमीफाइनल में मारिना जुयेवा को 6-0 से हराया और फाइनल में मंगोलिया की डुलगुन बोलोरमा पर 2-1 की जीत से स्वर्ण पदक हासिल किया।

MAGAZINE KING

दिल से बुलाया बालवीर 'दिल्ली' आया

MAGAZINE KING

सोनी सब का पसंदीदा फंतासी शो 'बालवीर रिटर्नस' चौंकाने वाले ट्विस्ट और ड्रामे से भरपूर घटनाओं से दर्शकों का मनोरंजन करता आ रहा है और इसी तरह मनोरंजन करता रहेगा। बालवीर (देव जोशी) अपनी शक्तियां खो चुका है और अब दुनिया की सुरक्षा की जिम्मेदारी नये बालवीर विवान (वंश सयानी) के हाथों में है।

अपनी शक्तियों के साथ अपनी याददाश्त भी खो देने वाला बालवीर अब देबू भइया के नये रूप में दर्शकों पर अपनी छाप छोड़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ, विवान के लिये 'बालवीर' बनने की जिम्मेदारी निभाना और दुनिया को बचाना मुश्किल हो रहा है। हाल ही में, इस शो में प्यारी अनाहिता भूषण को एंट्री करते हुए देखा गया। वह निश्चित रूप से दर्शकों के लिये थोड़ा ड्रामा और सरप्राइज लेकर आयी है। आगे आने वाले एपिसोड्स में हैरान कर देने वाले और काफी महत्वपूर्ण खुलासे होने वाले हैं।

इस शो की सफलता की खुशी लोगों से बांटने के लिये दोनों बालवीर अपनी सबसे बड़ी दुश्मन तिमनासा यानी पवित्रा पुनिया के साथ हाल ही में दिल्ली पहुंचे और अपने फैन्स से मुलाकात की। दर्शकों से मिले प्यार और दुलार से वो काफी खुश थे। इस शो के कलाकार राजधानी दिल्ली में अपने फैन्स से मिलने और उनके साथ थोड़ा वक्त बिताने के लिये उत्साहित थे।

बालवीर की भूमिका निभा रहे, देव जोशी ने कहा, ''मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि हम दिल्ली आ पाये और यहां इतने अच्छे लोगों से मुलाकात कर पाये। यहां हमारे काफी सारे फैन्स हैं और इस शहर का जोश देखकर मैं पूरी तरह से दंग रह गया। खासतौर से मुझे दिल्ली में लजीज चाट और छोले भटूरे खाने का बेसब्री से इंतजार था। अपने फैन्स से मिलना हमेशा ही शानदार अनुभव होता है क्योंकि हमें अपने व्यस्त शेड्यूल की वजह से उनके प्यार का शुक्रिया करने का वक्त नहीं मिल पाता। हमने वहां काफी अच्छा वक्त बिताया।''

विवान की भूमिका निभा रहे वंश सयानी ने कहा, ''एक फंतासी शो का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर बालवीर की भूमिका निभाने में मजा आ रहा है। दिल्ली में दर्शकों से इतना प्यार मिलना बहुत ही अच्छा अनुभव था और वहां सबके साथ काफी अच्छा वक्त बीता। मुझे दिल्ली में स्वादिष्ट खाना बहुत पसंद आया और मुझे इस खूबसूरत शहर में अपने फैन्स से दोबारा मिलने और इतने स्वादिष्ट खाने का लुत्फ उठाने का इंतजार रहेगा।''

डिज़्नी की आगामी एनिमेटेड सीरीज, 'मीरा, रॉयल डिटेक्टिव' में फ्रीडा पिंटो और काल पेन देंगे अपनी आवाज

20 मार्च 2020 को मीरा का यूएस और इंडिया में एक साथ होगा टेलीविजन प्रीमियर

जाने-माने एक्टर्स, फ्रीडा पिंटो और काल पेन डिज़्नी की आगामी एनिमेटेड सीरीज 'मीरा, रॉयल डिटेक्टिव' में अपनी आवाज देने को तैयार है। यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि फ्रीडा और काल एक साथ डिज़्नी में होंगे।

'स्लमडॉग मिलेनियर' से लोकप्रियता हासिल करने वाली फ्रीडा इस सीरीज में रानी शांति की आवाज देंगी, जोकि मीरा को शाही जासूस के तौर पर चुनती है। एक एनिमेटेड सीरीज में पहली बार अपनी आवाज दे रहीं, फ्रीडा इस सीरीज की विस्तृत पृष्ठभूमि का हिस्सा बनकर बेहद खुश नजर आ रही है। इस सीरीज के बारे में बताते हुए वह कहती है, 'मीरा को रानी (रानी शांति) ने दरबार का आधिकारिक जासूस चुना है। इस शो का माहौल और पृष्ठभूमि इस तरह की है कि नई पीढ़ी को अलग-अलग संस्कृतियों तथा रहन-सहन के बारे में जानकारी मिलेगी।'

जाने-माने एक्टर तथा कॉमेडियन काल पेन ने प्यारे मिक्कू की आवाज दी है जोकि मीरा का नेवला दोस्त है और उसके साथ-साथ चलता है। इस शो के कॉन्सेप्ट के बारे में बताते हुए, वह कहते हैं, 'यह काफी मजेदार है, इसे बखूबी तैयार किया गया है, यह एक शिक्षाप्रद शो है।' मुख्य किरदार मीरा के बारे में बताते हुए वह कहते हैं, 'मीरा बेहद आत्मविश्वास से भरी हुई और काबिल लड़की है। और यह शो लड़कियों और हां लड़कों को भी एक बेहतरीन संदेश देगा, जो इस शो को देखेंगे और मीरा से प्रेरित होंगे। मैं उम्मीद करता हूं कि नन्हे बच्चे उन शानदार संदेशों को देखें और इस बारे में सोचें कि उन्हें भी वास्तविक जीवन में ऐसा होना चाहिये।'

मीरा की आवाज दी है 16 साल की नवोदित कलाकार, लीला लाडनियर ने। इस सीरीज के साथ और भी सितारे जुड़े रहे हैं, उत्कर्ष अम्बुदकर, हना सिमोन, जमीला जमील, अर्पणा नानचेलरा, आसिफ मांडवी, करण सोनी, मौलिक पंचोली, सरायू ब्लू, सरिता चौधरी, रोशनी एडवर्ड्स, कामरान लुकास, करण बरार, प्रवेश चीना और सोनल शाह।

यह बहुप्रतीक्षित सीरीज, जिसका दूसरा सीजन पहले ही बन चुका है, उसका प्रीमियर यूएस में शुक्रवार, 20 मार्च (सुबह 11 बजे डिज़्नी चैनल पर ईडीटी/पीडीपी और डिज़्नी जूनियर पर शाम 7 बजे, ईडीटी/पीडीटी) को किया जायेगा। डिज़्नी चैनल इंडिया उसी दिन इसकी एक झलक दिखायेगा, इसके बाद इस सीरीज का प्रीमियर, रविवार, 22 मार्च को किया जावेगा।

MAGAZINE KING

इंडियाज बेस्ट डांसर में मलाइका अरोड़ा ने याद किए अपने संघर्ष के दिन!

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का डांस रियलिटी शो - इंडियाज बेस्ट डांसर, दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। इस शो को मलाइका अरोड़ा, गीता कपूर और टेरेंस लुइस जज करेंगे और कॉमिक जोड़ी - भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया इसे होस्ट करेंगे। इस शो के जजों ने हाल ही में ऑडिशन एपिसोड्स की शूटिंग की, जिसमें मलाइका ने एक दिलचस्प किस्सा सुनाया।

ऑडिशंस के दौरान सभी प्रतिभागियों को पूरी लगन और मेहनत से परफॉर्म करते देख मलाइका अरोड़ा को भी अपने संघर्ष के दिन याद आ गए। मलाइका बताती हैं, मुझे याद है मैं अपनी मां के साथ अनेक ऑडिशंस देने जाती थी। जब मैंने शुरुआत की तो मुझे कई बार रिजेक्ट किया गया, लेकिन मैं निराश नहीं हुई। मैंने कभी हार नहीं मानी और कोशिश जारी रखी। मैं 17 साल की थी, जब मैंने अपना मॉडलिंग करियर शुरू किया और फिर एक के बाद एक चीजें होती गईं, और आज मैं एक शो को जज करने की स्थिति में हूं। यह आसान नहीं था। जब मैं 15 साल की थी, तब मुझे नहीं पता था कि मैं क्या करना चाहती हूं जबकि ऑडिशन में आए आजकल के बच्चे अच्छी तरह जानते है कि वो क्या करना चाहते हैं। 20 साल पहले जब मैं टेरेंस से मिली थी तो मैं किशोरावस्था में थी और मैं उनकी एकेडमी में डांस सीख रही थी और आज मैं उनके साथ इस शो को जज कर रही हूं।

इंडियाज बेस्ट डांसर 15 से 30 वर्ष की उम्र के टैलेंट को मौका दे रहा है, जिनमें डांस का जुनून है। इस शो के लिए कई राज्यों में सैकड़ों प्रतिभागियों ने ऑडिशन दिया, जिसमें उन्हें जजों को इम्प्रेस करके प्रतियोगिता में आगे जाने के लिए 90 सेकेंड में 3 बेस्ट डांस मूव्स दिखाने थे।

MAGAZINE KING

क्राफ्ट टाईम

सुन्दर दिया

आवश्यक सामाग्री

प्लास्टोसिन या अन्य चिकनी मिट्टी, मोमबत्ती, होल्डर जिसमें मोमबत्ती फंसाई जा सके और पेंट।

विधि

☐ प्लास्टोसिन का एक गोल पटा बनाओ जो लगभग 2.5 सैंटीमीटर मोटा हो और होल्डर से लगभग 5 सैंटीमीटर चौड़ा हो।

☐ प्लास्टोसिन या गीली मिट्टी की एक गेंद बनाकर बीच में अंगूठे से दबाकर एक गड्डा सा बनाओ। इस कटोरे को सूख जाने दो। ध्यान रहे कि गड्डा होल्डर के आकार का होना चाहिए ।

☐ होल्डर में मोम बत्ती फंसाकर उसे कटोरे में रख दो।

☐ कटोरे को पहले बनाये गये पट्टे पर जमा दो।

☐ मिट्टी या प्लास्टोसिन का प्रयोग कर अपनी रचना को और अधिक सजाओ। इस दिये को आप अपने पसंदीदा रंग से पेंट करें।

रात को मोमबत्ती प्रज्वलित करो। तुम्हारे मित्र तुम्हारी रचना की प्रशंसा करेंगे ।

MAGAZINE KING

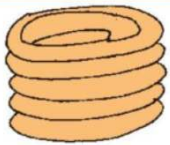

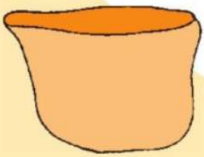

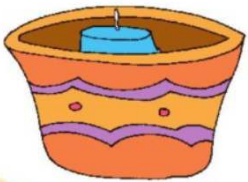

पृथ्वी ग्रह पर सभी अंतरिक्ष प्राणियों की नजर रहती है। एक दिन अचानक दूसरे ग्रह के प्राणियों ने पृथ्वी पर हमला कर दिया। देवा कहां पीछे रहने वाला था।।

जांबाज देवा

© LOTPOT

MAGAZINE KING

MAGAZINE KING

संयोग से देवा ने विध्वसंक बटन दबा दिया। एक शोला सा यान से निकला और सभी बचे हुए प्राणी चकनाचूर हो गये।

परखच्चे उड़ गये उनके।

देवा यान को उड़ा कर ले चला।

इस यान को तालाब में उतार दूंगा।

पानी में रहकर जंग खा जायेगा। फिर हमेशा के लिए नकारा हो जायेगा यह।

MAGAZINE KING

NEWSLINE

तिहाड़ में बनी बेंच पर बैठेंगे एमसीडी स्कूलों के बच्चे

नॉर्थ एमसीडी के जिन प्राइमरी स्कूलों में बच्चों को बैठने के लिए बेंच नहीं है, उन स्कूलों में तिहाड़ जेल के कैदियों द्वारा बनाई बेंच खरीदी गई है। पिछले तीन महीनों में एमसीडी अफसरों ने करीब 12 हजार बेंच मंगाई है। 15 हजार बेंच के लिए नए ऑर्डर जारी किए हैं। एमसीडी अफसरों का कहना है कि करीब 100 से अधिक स्कूलों में बेंच की कमी थी। कुछ स्कूलों में बेंच काफी पुरानी थीं, जो टूट गई थीं। कई स्कूलों में बच्चों को टाट पर बैठ कर पढ़ाई करनी पड़ती थी।

कुल मिलाकर 20 हजार बेंच की कमी बताई गई थी। पहले फेज में 6 हजार और दूसरे फेज में भी इतनी ही बेंच मंगाई गई है। इन्हें तिहाड़ में बंद कैदियों ने बनाया है। 15 हजार और बेंच के लिए ऑर्डर दिए गए है।

अंगदान कर 48 घंटे में कई जिंदगियां बचाई

कासगंज के रहने वाले 27 वर्षीय सचिन की भले ही जान चली गई हो, लेकिन परिजनों ने सचिन के अंगों का दान कर सात मरीजों की जिंदगी बचा ली। सचिन छत से गिर गए थे। उन्हें तुरंत एम्स के जयप्रकाश नारायण ट्रामा सेंटर लाया गया। काफी प्रयास के बाद भी डॉक्टर सचिन को नहीं बचा पाए।

डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। इसके बाद एम्स के ओरगेन विभाग की टीम ने परिजनों को अंगदान के लिए समझाया। लंबी काउंसलिंग के बाद सचिन के परिजन राजी हो गए। सचिन का दिल, दोनों किडनी, दोनों लिवर, आंखों की कॉर्निया और कुछ हड्डियों को परिजनों ने दान कर दिया।

इंटरनेट के बुरे अनुभव का शिकार हर तीसरा किशोर

रिपोर्ट में ऑनलाइन दुनिया को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने के लिए बेहतर निगरानी तंत्र स्थापित करने की जरूरत पर बल दिया गया है। इसके लिए माता-पिता और शिक्षक के अलावा कानूनी उपायों की जरूरत बताई गई है। एनसीआर के 13 से 18 साल की आयु के 600 से ज्यादा बच्चों को अध्ययन में शमिल किया गया। 91 फीसद किशोर-किशोरी अपने घर का इंटरनेट इस्तेमाल करते हैं। 60 फीसदी लड़कों और 40 फीसदी लड़कियों के पास अपना मोबाइल फोन है।

इंटरनेट उपयोग करने वाले 80 फीसदी लड़कों और 59 फीसदी लड़कियों के सोशल मीडिया अकाउंट बनाने के लिए जरूरी न्यूनतम आयु की सही जानकारी नहीं थी। हर पांच में से दो युवा दोस्तों के दोस्त या अजनबी की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार कर लेते हैं। और इस तरह साइबर खतरों के प्रति ज्यादा असंवेदनशील हो जाते है।

Android 11 का डेवेलपर प्रिव्यू जारी, जानें इसमें दिए गए खास फीचर्स के बारे में

Google ने Android 11 का पहला डेवेलपर प्रिव्यू जारी कर दिया है. आम तौर पर नए एंड्रॉयड वर्जन का डेवेलपर प्रिव्यू मार्च में जारी किया जाता है, लेकिन इस बार कंपनी ने इसे पहले ही कर दिया है।

डेवेलपर्स के लिए जारी किए गए Android 11 के प्रिव्यू को PiÛel 2, 3, 3। और 4 में ही यूज किया जा सकता है। इसे इंस्टॉल करने के लिए स्मार्टफोन को क्लीन फॉर्मेट करना होगा और पूरा डेटा खत्म करके ही इसे टेस्टिंग के लिए इंस्टॉल किया जा सकता है।

म्यूजिक कंट्रोल के लिए Android 11 के साथ मोशन सेंस जेस्चर का फीचर दिया जाएगा। XDA डेवेलपर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक Android 11 में एक नया यूजर इंटरफेस भी है, लेकिन ये हिडेन है और अभी ये पूरी तरह से फंक्शनल भी नहीं है।

नहीं रहा दुनिया को Cut & Copy & Paste का जुगाड़ देने वाला साइंटिस्ट

कट, कॉपी और पेस्ट–ये एक ऐसा टर्म है जिसके बिना शायद ही आप कंप्यूटर या सोशल मीडिया पर जरूरी काम कर सकते है। कट, कॉपी पेस्ट को जिन्होंने इन्वेंट किया वो शायद स्टीव जॉब्स जितने पॉपुलर तो न हो सके, लेकिन उनका योगदान अहम है।

कट, कॉपी और पेस्ट यूजर इंटरफेस यानी UI को दरअसल एक साइंटिस्ट ने तैयार किया था। इस साइंटिस्ट का नाम लैरी टेस्लर है और इनका निधन हो गया है।

लैरी टेस्लर 74 साल के थे और उनका जन्म न्यूयॉर्क में हुआ था।

WhatsApp को टक्कर देगा Signal, WhatsApp को-फाउंडर ने लगाए हैं पैसे

WhatsApp दुनिया भर में सबसे ज्यादा यूज किया जाने वाला इंस्टैंट मैसेजिंग ऐप है। आंकड़ों के मुताबिक दुनिया भर में WhatsApp के 2 अरब यूजर्स है।

Signal एक इंस्टैंट मैसजिंग ऐप है जो प्राइवेसी फोकस्ड है। इसे अब तक का सबसे सिक्योर और प्राइवेट इंस्टैंट मैसेजिंग ऐप भी माना जाता है। इस ऐप में WhatsApp के ही को फाउंडर ब्रायन ऐक्टन ने पैसे लगाए है।

WhatsApp के मुकाबले Signal ऐप के यूजर्स काफी कम है। लेकिन अब कंपनी चाहती है कि इसे वर्ल्ड वाइड यूज किया जाए। वायर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अपना यूजरबेस बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।

वॉट्सऐप का कुछ डेटा फेसबुक के साथ शेयर होता है यानि फेसबुक इस डेटा का यूज पैसे बनाने के लिए भी करती है। सिग्नल के साथ ऐसा नही है। कंपनी दावा करती है यूजर डेटा किसी के साथ भी शेयर नहीं किया जा सकता है चाहे वो सरकारी एजेंसी ही क्यों न हो।

MAGAZINE KING

SUBSCRIBE YOUR FAVOURITE MAGAZINE

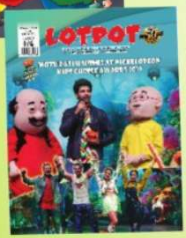

Lotpot-English	1 year	24	480/-
Lotpot- Hindi	*1 year*	*24*	*360/-*

Yes! I want to subscribe : (Tick the appropriate magazine)

☐ *Lotpot-English* ☐ *Lotpot- Hindi*

Name : _____ Age : ____

Postal Address: _____

_____ Telephone/Mobile: _____

Please find enclosed Cheque/ DD No. _____ dated _____

for Rs._____ favouring Shree S.L. Prakashan

**** You can also use the photocopy of the subscription form for multiple usage.***

Send your payments to: Shree. S.L.Prakashan
A-5, Mayapuri Industrial Area, Phase - 1, New Delhi- 110064
Phone No: 011- 28116120, 28117636. Email : info@mayapurigroup.com

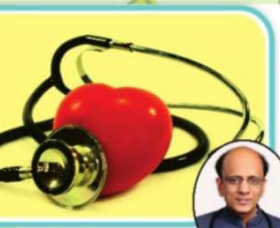

स्वास्थ्य जानकारी

Dr. KK Aggarwal
President CMAAO, HCFI
and Past national President IMA

हम सब साथ मिलकर कोरोनावायरस से लड़ सकते हैं

कोरोना वायरस आकार में बड़ा होता है, जहाँ कोशिका का व्यास 400-500 माइक्रो होता है और इस वजह से कोई भी मास्क इसको आपके अंदर प्रवेश करने से रोकता है।

वायरस हवा में नहीं मिलता है, बल्कि जमीन पर टिका होता है, इसलिए यह हवा द्वारा नहीं फैलता।

कोरोनावायरस जब यह एक धातु की सतह पर गिरता है, तो यह 12 घंटे तक जीवित रहेगा, इसलिए अच्छी तरह से साबुन से हाथ धोते रहे और पानी भी पीएं ।

कोरोना वायरस जब कपड़े पर गिरता है तो 9 घंटे तक जीवित रहता है, इसलिए इसे मारने के लिए कपड़ों को धोएं और करीब दो घंटे तक सूरज के संपर्क में जरूर रहें।

वायरस हाथों पर 10 मिनट तक रहता है, इसलिए इसे रोकने के लिए जेब में अल्कोहल स्टरलाइजर डालकर रखें।

अगर वायरस 26-27 डिग्री सेल्सियस के तापमान के संपर्क में है, तो वो मर जाएगा, क्योंकि यह गर्म क्षेत्रों में नहीं रह सकता। इसके लिए गर्म पानी पीना और धूप में रहना आपके लिए फायदेमंद होगा।और आइसक्रीम से दूर रहें और ठंडा खाना बिलकुल ना खाएं।

MAGAZINE KING

आपने हाथ धोए क्या? खुद रहें सुरक्षित, दूसरों को रखें सुरक्षित क्या करें और क्या ना करें

क्या करें ✓

बार-बार हाथ धोएं। जब आपके हाथ स्पष्ट रूप से गंदे न हो, तब भी अपने हाथों को अल्कोहल आधारित हैंड वॉश या साबुन और पानी से साफ करें।

अगर आप में कोरोना वायरस के लक्षण है, तो कृपया राज्य हेल्पलाइन नंबर या स्वास्थ्य मंत्रालय की 24×7 हेल्पलाइन नंबर 011-23975046 पर कॉल करें।

छींकते और खांसते समय, अपना मुंह व नाक टिशू और रूमाल से ढकें।

भीड़ भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें।

प्रयोग के तुरंत बाद टिशू को किसी बंद डिब्बे में फेंक दें।

सार्वजनिक स्थानों पर ना थूकें।

क्या न करें ⊗

यदि आपको खांसी और बुखार का अनुभव हो रहा हो, तो किसी के साथ संपर्क में ना आयें।

अपनी आंख, नाक या मुंह को ना छुयें।

अगर आपको बुखार, खासी और सांस लेने में कठिनाई है तो डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर से मिलने के दौरान अपने मुंह और नाक को ढंकने के लिए मास्क और कपड़े का प्रयोग करें।